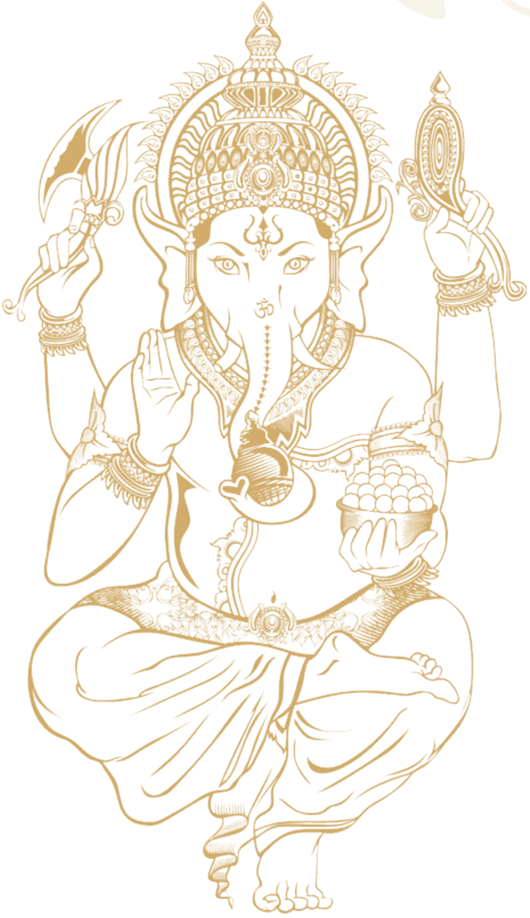

Anuj Katiyar

07 Sep 1988

08:30 PM

Kannauj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121765107

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/09/1988**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:30:00 घंटे**
इष्ट	36:34:15 घटी
स्थान	**Kannauj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:04:00 उत्तर
रेखांश	79:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:19:40 घंटे
वेलान्तर	00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल	19:27:17 घंटे
सूर्योदय	05:52:18 घंटे
सूर्यास्त	18:23:50 घंटे
दिनमान	12:31:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:29:39 सिंह
लग्न के अंश	06:07:24 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	परिघ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:07:24	470:24:08	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			सिंह	21:29:39	00:58:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			कर्क	12:40:42	11:57:25	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल	व		मीन	16:45:12	00:09:56	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध			कन्या	16:49:01	01:15:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			वृष	11:57:21	00:03:19	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	06:26:53	01:03:23	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			धनु	02:17:01	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	20:24:15	00:00:23	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु			सिंह	20:24:15	00:00:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	03:20:44	00:00:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप	व		धनु	13:45:12	00:00:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:44:17	00:01:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	26:28:13	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:02

लग्न-चलित

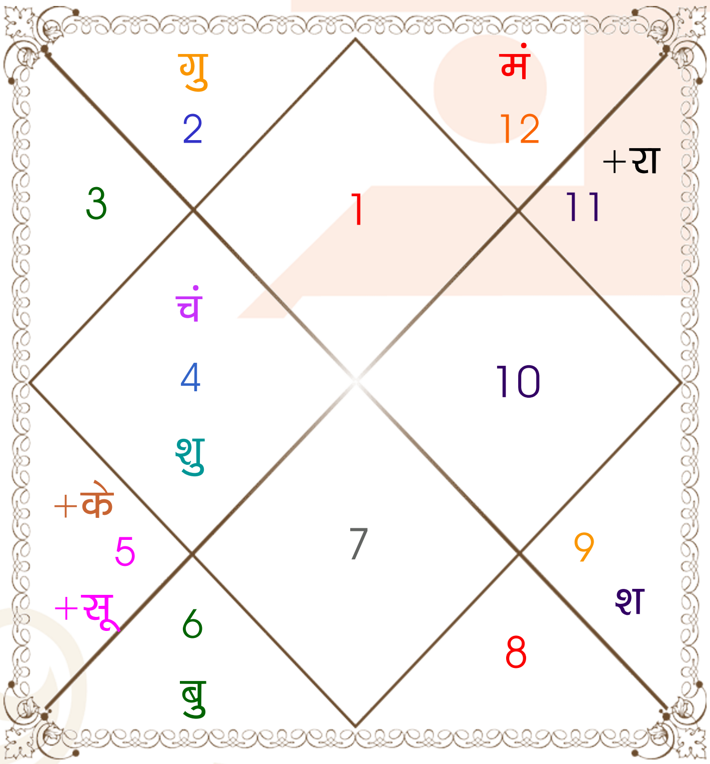

चन्द्र कुंडली

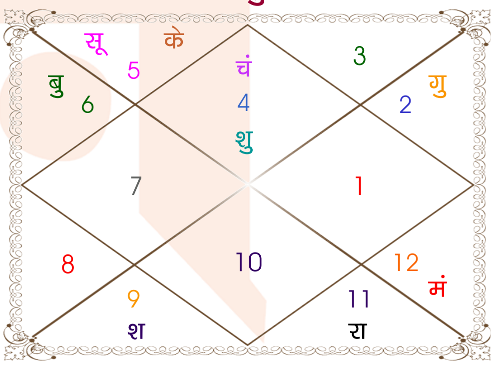

नवमांश कुंडली

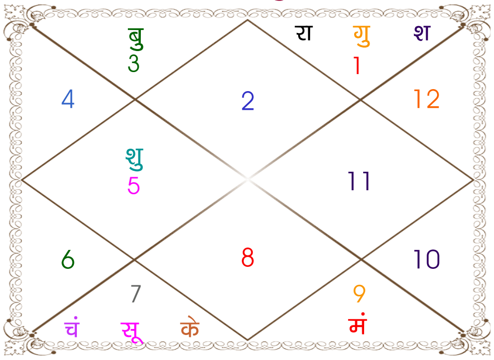

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 8 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
07/09/1988	15/05/1994	15/05/2011	15/05/2018	15/05/2038
15/05/1994	15/05/2011	15/05/2018	15/05/2038	15/05/2044
00/00/0000	बुध 11/10/1996	केतु 12/10/2011	शुक्र 14/09/2021	सूर्य 02/09/2038
00/00/0000	केतु 08/10/1997	शुक्र 11/12/2012	सूर्य 14/09/2022	चंद्र 03/03/2039
00/00/0000	शुक्र 08/08/2000	सूर्य 18/04/2013	चंद्र 15/05/2024	मंगल09/07/2039
00/00/0000	सूर्य 14/06/2001	चंद्र 17/11/2013	मंगल15/07/2025	राहु 02/06/2040
00/00/0000	चंद्र 14/11/2002	मंगल15/04/2014	राहु 15/07/2028	गुरु 21/03/2041
07/09/1988	मंगल11/11/2003	राहु 03/05/2015	गुरु 16/03/2031	शनि 03/03/2042
मंगल26/12/1988	राहु 30/05/2006	गुरु 08/04/2016	शनि 15/05/2034	बुध 08/01/2043
राहु 02/11/1991	गुरु 04/09/2008	शनि 18/05/2017	बुध 15/03/2037	केतु 15/05/2043
गुरु 15/05/1994	शनि 15/05/2011	बुध 15/05/2018	केतु 15/05/2038	शुक्र 15/05/2044

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
15/05/2044	15/05/2054	15/05/2061	15/05/2079	15/05/2095
15/05/2054	15/05/2061	15/05/2079	15/05/2095	00/00/0000
चंद्र 15/03/2045	मंगल11/10/2054	राहु 26/01/2064	गुरु 03/07/2081	शनि 18/05/2098
मंगल14/10/2045	राहु 30/10/2055	गुरु 21/06/2066	शनि 14/01/2084	बुध 26/01/2101
राहु 15/04/2047	गुरु 05/10/2056	शनि 27/04/2069	बुध 21/04/2086	केतु 07/03/2102
गुरु 14/08/2048	शनि 14/11/2057	बुध 14/11/2071	केतु 28/03/2087	शुक्र 07/05/2105
शनि 15/03/2050	बुध 11/11/2058	केतु 02/12/2072	शुक्र 26/11/2089	सूर्य 19/04/2106
बुध 15/08/2051	केतु 09/04/2059	शुक्र 02/12/2075	सूर्य 14/09/2090	चंद्र 18/11/2107
केतु 15/03/2052	शुक्र 08/06/2060	सूर्य 26/10/2076	चंद्र 14/01/2092	मंगल08/09/2108
शुक्र 14/11/2053	सूर्य 14/10/2060	चंद्र 27/04/2078	मंगल20/12/2092	00/00/0000
सूर्य 15/05/2054	चंद्र 15/05/2061	मंगल15/05/2079	राहु 15/05/2095	00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रुख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।